विकसित देशों की तुलना में भी इन्फेन्ट मोरटेलिटि रेट और फीमेल मोरटेलिटि रेट कहीं ज्यादा है। मैं मंत्री महोदय को यह तथ्य बताना चाहूंगी कि वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने एक रिसर्च की और उस रिसर्च से यह पता चला कि भारत में जो मृत्यु दर है, महिलाओं की प्रसूति के दौरान, उसमें 70 प्रतिशत प्रसूति के दौरान जो मृत्यु होती है वह एनीमिया के कारण होती है रक्त की कमी के कारण होती है, तो इसको मद्देनजर रखते हुए मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगी कि क्या वह सर्वांगीण स्वास्थ्य नीति परिवार कल्याण को ध्यान में रखते हुए अपना रहे हैं ? क्या वह स्वास्थ्य की नीति का विकेन्द्रीकरण कर रहे हैं ताकि गांव में मोरटेलिटि रेट जो ज्यादा है उस को कम किया जा सके ? वहां स्वायत संगठनों को, स्वैच्छिक सगठनों को शामिल करते हुए ताकि गांव में दाइयों को शामिल किया जा सके, जो कि व्यापक संख्या में यह काम करवाती हैं, क्या इन स्वैच्छिक संगठनों के जरिए स्वास्थ्य बीमा जैसी नीति सरकार अपना रही है ? तथा, इन तमाम तथ्यों को, जिनका मैंने जिक्र किया, उसको मद्देनजर रखते हुए मंत्री महोदय मुझे बताएंगे कि आज तक उन्होंने क्या रिव्यू किया है ? क्या समीक्षा की है ? उसके परिणाम क्या निकले हैं ? और इन परिणामों को देखते हुए भावी नीतियां आप क्या ले रहे हैं ? धन्यवाद।

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR : Sir, it is a fact that birth is a painful event. Through the Family Planning programme and with the help of the State Governments, we are trying to propagate institutionalised delivery so that this can be minimised. Many births are taking place in the houses without having any medical facility and there are not many users of institutionalised delivery. We are propagating that through our Family Planning programmes. Sir, there are problems in family planning and we are providing to the State Governments....*(Interruptions)*

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : Sir, he is saying that he is doing this and doing that. These are general things. How has it improved during the last five years ? Will the Minister explain how the infant mortality rate has come down ?

SHRI VIREN J. SHAH : The Minister has perhaps not come prepared.

SHRI B. SHANKARANAND : Sir, we have succeeded in bringing down the infant mortality rate and let us not decry our own efforts in this direction. We have achieved considerable success in bringing down the mortality rate among the infants and their mothers. The reason for these rates coming down is that we have provided various health facilities in the country. But it is true that a large number of Primary Health Centres and Sub-Centres are not functioning to the maximum possible limit. There is a lot of scope for improvement in utilising the capacity that we have created in this connection. But we will take all steps to see that the mortality rate is reduced.

SHRIMATI SARALA MAHESHWARI : But what are your specific plans ? This is what I want to know.

MR. CHAIRMAN : Next Question. Mr. Ram Naresh Yadav.

दिल्ली में अस्पतालों से नवजात शिशुओं का गायब होना

*142. **श्री राम नरेश यादव** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :—

(क) क्या सरकार का ध्यान दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक "जनसत्ता" के 22 अप्रैल, 1993 के अंक में प्रकाशित उस समाचार की ओर दिलाया गया है जिसमें यह कहा गया है कि दिल्ली के अस्पतालों से नवजात शिशु गायब हो रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान दिल्ली के अस्पतालों में इस प्रकार की कितनी घटनायें हुई; और

(ग) इस प्रकार की घटनाओं को रोकने और अस्पतालों से नवजात शिशुओं को गायब करने वाले गिरोहों को पकड़ने के लिये क्या-क्या प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI PABAN SINGH GHATOWAR) : (a) Yes, Sir.

(b) Except the incident mentioned in the news item, no case of theft of infants delivered in the Government hospitals of Delhi has been reported in the last two years.

(c) Security in the Government hospitals has been tightened and special security agencies have been engaged by the Safdarjung, Dr. Ram Manohar Lohia and LNJP hospitals to exercise independent vigil. Patients coming to the hospital are being warned to be careful about leaving their children with strangers.

श्री राम नरेश यादव : महोदय, इस प्रश्न से मेरी बहुत चिंता जुड़ी हुई है और वह चिंता इसलिए जुड़ी हुई है कि बच्चे जो राष्ट्र की सम्पत्ति माने जाते हैं, बचपन में उन्हें जिस तरह से चुराया जाता है, उनका अपहरण किया जाता है और फिर उसके बाद बेचे जाते हैं, यह जो स्थिति है, यह बहुत खतरनाक स्थिति है दिल्ली, जो देश की राजधानी है, यहां पर जो हमारे अस्पताल हैं लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल है, डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल है, सफदरजंग अस्पताल है, यह ऐसे अस्पताल हैं जिनकी विश्वसनीयता है, जिनकी महत्ता है और ऐसे अस्पताल से, लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल के बारे में, जो एक शोषक से समाचार छपा था कि "अस्पताल से नवजात शिशु गायब" एक महिला भर्ती होती है, गर्भवती थी, बच्चे को जन्म देती है और जन्म देने के बाद उसके टांके की सिकाई करने के लिए वह दूसरी जगह ले जाई जाती है, इस बीच बच्चा गायब हो जाता है, इसके पहले भी इस अस्पताल में एक घटना और घट गई थी, इसलिए मैंने यह प्रश्न पूछा तो मेरी इस बात को ध्यान में रखते हुए कि लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल की एक विश्वसनीयता है, उसकी एक महत्ता है, जो बाहर बहुत से प्राइवेट नर्सिंग होम हैं, वह जिस तरह से चलते है, उनकी बात और है, लेकिन यहां इस तरह की घटना हो जाना और फिर रिपोर्ट दर्ज किया जाना, यह इस बात का संकेत है कि किस प्रकार की लापरवाही बरती जाती है। तो इस प्रश्न को ध्यान में रखते हुए मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपने इस विशेष, संदर्भ जो आया है, इसको ध्यान में रखते हुए आपने क्या कार्रवाई की हैं और उसका क्या परिणाम रहा है ? यह मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं।

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR : Sir, with regard to the news item mentioned by the honourable Member, according to our finding, the incident occurred like this : When the mother delivered a baby in the gynaecology department of the LNJP Hospital on 21-4-93, Smt. Pushpa was being attended by her mother-in-law. At 5 p.m., a lady, aged about 22 years,.... (*Interruptions*)....

SHRI RAM NARESH YADAV : Sir, I want to know what action has been taken by the Department to restore the credibility of the Hospital. That answer is not forthcoming.

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR : Sir, previously, there were Chowkidars and other internal arrangements. In our main reply, we have stated that in the three major hospitals of Delhi, we have engaged special security force. They are looking after this. And we have instructed that anybody going inside that ward will have to take a pass. They have to

take a pass for going inside and coming out from there.

AN HON. MEMBER : So that they can get out with the child with a pass.

SHRI PABAN SINGH GHATOWAR : That cannot be. How can that be ?

श्री राम नरेश यादव : महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं । महोदय मुझे आपके संरक्षण की जरूरत है । . . . . . (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN : Is it your second supplementary ?

श्री राम नरेश यादव : नहीं-नहीं महोदय, हमने पूछा है कि जब लड़का गायब हो गया तो उसके बाद थाने में रिपोर्ट भी हुई और आज तक सरकार ने विभाग की तरफ से उसकी जांच के लिए क्या कार्रवाई की, इसका उत्तर नहीं आ रहा है । मेन प्रश्न तो यह है मेरा । . . . . . (**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN : He is asking as to what action has been taken in that particular case.

श्री राम नरेश यादव : इस संबंध में जांच कराई गई या नहीं कराई गई । यदि नहीं कराई गई तो क्यों नहीं कराई गई ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानंद) : इसकी जांच हो रही है । पुलिस भी जांच कर रही है और डिपार्टमेंटल भी जांच कर रहे हैं ।

SHRI MENTAY PADMANABHAM : Are you satisfied with the answer ?

श्री राम नरेश यादव : मेरा दूसरा सप्लीमेंट्री यह है कि जब जांच चल रही है तो मुझे लगता है कि जांच की रिपोर्ट भी जल्दी आ जाएगी । सरकार किस एजेंसी से जांच करा रही है, यह जरा मैं जानना चाहता हूं ? ...(**व्यवधान**) महोदय, दूसरा सवाल मेरा यह है कि जिस वार्ड से जहां पर प्रसूति महिलाओं को रखा जाता है तथा जहां पर वह बच्चे को जन्म देती हैं । तो वहां कोई महिला आई और बच्चे को उठाकर चली गई । वहां देख-रेख के लिए उस विशेष स्थान पर आपने क्या व्यवस्था की है, यह मैं जानना चाहता हूं ?

SHRI B. SHANKARANAND : Perhaps, the hon. Member wants to know what action we are taking to see that responsibility is fixed on any person or any individual who is supervising these wards. I should say that it is a suggestion for action. We will look into the matter.

SHRIMATI KAMLA SINHA : Sir, this is a very distressing affair, a new born baby being lifted from a hospital and the Government not having been able to find out as to what has happened to the child, whether it has been killed or it is alive. The Government has no information about it. The Government is still finding out. Even today, I read in no less a news paper than the 'Statesman' that a seven month old baby has been kidnapped. What is happening, I would like to know. Why are this type of things happening ? Is the Government aware of the fact ? And if so, I would like to know what the Government plans to do to protect the lives of the small new-born babies and small toddlers and small children.

SHRI B. SHANKARANAND : Sir, I think, we have already answered this question. I have said that. . . .

SHRI MENTAY PADMANABHAM : Obviously, the Minister is not distressed about this happening.

SHRIMATI KAMLA SINHA: Sir, I would like to have your protection. The Minister has been very casual in this reply, and he has no feeling. . . .

MR. CHAIRMAN : He is answering the question.

SHRIMATI KAMLA SINHA : He has no feeling at all. He is smiling. ....*(Interruptions)*....Is it a matter to smile ? It is a matter of national shame. A child is kidnapped....

MR. CHAIRMAN : Please. The Minister is answering the question.

SHRIMATI KAMLA SINHA .... from a hospital and you are smiling.

SHRI VIREN J. SHAH : With great respect, I must say that the Chair should protect the House and make the Ministers give specific replies. Evasive replies will make the Question Hour lose its meaning.

SHRI B. SHANKARANAND : I am not evading any answer to this question. The hon. lady Member should know that we have already taken steps to see that the security measures are augmented and strict vigilance is maintained. Not only that. Even the patients who come to the hospitals have been warned to be very vigilant. And all that is being done. And we have lodged a complaint with the police. The police are investigating the matter. There has been an inquiry in the hospital. What else can be done, I do not understand, Sir.

SHRIMATI KAMLA SINHA : How can a patient be vigilant ?

MR. CHAIRMAN : Shri Ramdas Agarwal.

SHRIMATI KAMLA SINHA : When she is going to give birth to a child, how can a patient be vigilant ? It is surprising.

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय, केन्द्र सरकार के माध्यम से जो अस्पताल चलते हैं या राज्य सरकारों के अस्पताल जो चलाये जाते हैं उनकी दुर्दशा के सम्बन्ध में जितना कहा जाए उतना कम होगा । वह स्वास्थ्य लाभ के केन्द्र न बनकर केवल मोक्ष प्राप्ति के केन्द्र बनते जा रहे हैं । लोगों का विश्वास इन हास्पिटलों से उठता जा रहा है । अभी मेरे मित्र सांसद महोदय ने कहा कि राम मनोहर लोहिया हास्पिटल की बड़ी इज्जत है । मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि राम मनोहर लोहिया हास्पिटल के बारे में जो रिपोर्ट आई है अखबार में, वह तो बड़ी आश्चर्यजनक है कि यहां पर हार्ट आपरेशनों में मृत्यु दर सबसे ज्यादा है और वहां पर केपेबल डाक्टर्स नहीं रखे गए हैं । उस हास्पिटल के बारे में हमारी केन्द्र सरकार क्या करने जा रही है जहां पर कि लोग हार्ट का आपरेशन कराने के लिए, जीवनदान लेने के लिए जाते हैं और वहां पर इस प्रकार का व्यवहार उनके साथ हो रहा है और इस प्रकार का ट्रीटमेंट हो रहा है । यह किस प्रकार की व्यवस्था हमारे स्वास्थ्य मंत्री दिल्ली में कर रहे हैं जहां दूर-दूर से आपरेशन कराने के लिए पेशेंट्स आ रहे हैं ।

मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि राम मनोहर लोहिया हास्पिटल का नाम बहुत अच्छा रहा होगा लेकिन आज की तारीख में जो समाचार मिले हैं, उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि राम मनोहर लोहिया हास्पिटल में जाना हृदय के आपरेशन के लिए, हृदय के इलाज के लिए, यह तो केवल मरने के लिए जाने वाली जैसी बात हो गई ।

SHRI B. SHANKARANAND : Though this is not related to the main question, still I want to answer. At the outset I would say that whatever has appeared in the press is absolutely contrary to the facts regarding that hospital. There has not been any such case as has appeared in a section of the press. It is an attempt by some vested interests to malign the successful doctors in that hospital.

श्री शमीम हाशमी : बोगस हैं आप .....*(व्यवधान)*

श्री राम दास अग्रवाल : हरेक समाचार आप बोगस मानते हैं.....*(व्यवधान)*

इंडियन एक्सप्रेस में छपा है ये । तथ्य दीजिए आप हमको..... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : He cannot answer every report in the newspapers.

श्री रामदास अग्रवाल : आप तथ्य प्रस्तुत कर सकते हैं तो बताइए कि कितने लोग भर्ती हुए कितने लोग मरे और उनकी देख किस प्रकार से हुई ? तथ्य दीजिए । आप केवल यह नहीं कह सकते कि अखबार में छपा है । इसलिए गलत है..... (व्यवधान) This appeared in the newspapers just today.

SHRI B. SHANKARANAND : We totally deny the report.

MR. CHAIRMAN : First of all, it is outside the main question.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI : The fact that there have been incidents of infants missing from the hospital has not been denied by the Government. Once the patients are admitted into the hospital, they are to be attended by the doctors, nurses, ward attendants etc. In such cases, I would like to know, whether the Government has any scheme under which some responsible security officers should also be deputed to keep a watch while the nurses and other attendants look after the patients.

SHRI B. SHANKARANAND : This is a suggestion for action.

MR. CHAIRMAN : Next question.

Terrorism and Insurgency in Manipur

*143. SHRI V. NARAYANASAMY : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that terrorism and insurgency are on the increase in Manipur; and

(b) If so, what measures are being taken by Government to contain terrorism and insurgency in the said State ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P.M. SAYEED) : (a) and (b) A statement is placed on the Table of the House.

Statement

(a) There has been an increase in the violent activities of insurgent groups in Manipur in recent months.

(b) As the maintenance of public order is a State subject, the concerned State Governments in the North Eastern Region are tackling the insurgency/terrorism problems. The Central Government keeps a close watch on the situation and furnishes the State Governments with relevant intelligence and help of Para-military forces. The entire State of Manipur has been declared 'Disturbed Area' under the Armed Forces (Special Powers) Act, 1953. The insurgent groups viz. NSCN and Meitie Extremists have been declared 'Unlawful Associations' under the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967. Action against insurgent groups is being taken by the Security Forces. As this was not considered adequate additional assistance of the Army has also been made available.

The Government's continuing policy has been to deal firmly with insurgent/secessionist elements and, side by side, to take all possible measures to persuade them to join the mainstream of national life.

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, for the first time, the hon. Home Minister has come with a positive reply to the question on insurgency and militancy in Manipur. Actually, the situation in Manipur is worsening.